हिरानी रोया करती थी

राजा दशरथ के महल में चार पुत्र पैदा हुए | छठी के दिन राजा के यहाँ बहुत बड़ा भोज था | भोज में हिरण का गोश्त पकाया जाना ज़रूरी था | सैनिकों ने जंगल जाकर हिरण का पीछा किया | हिरणी भी हिरण के साथ मेन थी | सैनिक हिरन क पीछा करते रहे और हिरन-हिरणी भागते रहे | हिरणी ने रुककर सैनिकों से कहा, `मुझे पकड़ो और ले चलो | हिरण पर दया करो |` लेकिन सैनिक लाचार थे, क्योंकि भोज में हिरणी का नहीं, हिरण का गोश्त पकाया जाया करता था |

भोज हो गया तो हिरणी रानी कौशल्या के पास गयी और उसने कहा `मुझे हिरण की चमड़ी लौटा दो | अपने पति की निशानी मैं अपने पास रखूँगी |` रानी कौशल्या ने हिरण की चमड़ी देने से इन्कार कर दिया | उन्होंने कहा, `मैं उसकी चमड़ी से अपने पत्र राम के लिए खंजड़ी बन्वऊँगी |`

शिशु राम अपने बाल-मित्रों को इकट्ठा किया करते और खंजड़ी बजा-बजाकर खेला करते | हिरणी दूर से सुना करती और रोया करती |

1- करते रहना/ करते जाना/ किया करना birleşik fiillerin kullanımını öğrenerek metin içerisindeki cümleler üzerinden analiz etmek.